आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ
छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर |
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़

SUBJECT PROGRAMME –MA
SUBJECT- JAIN DARSHAN
PROGRAMME CODE-JDMA

उद्देश्य (Objectives):-

- जैन आगम दार्शनिक साहित्य का ज्ञान प्राप्त करना।
- जैन दार्शनिक साहित्य में गर्भित राष्ट्र एकता, आत्म निर्भरता, समता समानता से परिचय करना |
- विकसित भारत में योगदान एवं राष्ट्रीय एकता की भावना प्रदान करना।
- लोकभाषा, लोकजीवन और लोकचेतना एवं मनुष्य जीवन को गरिमा प्रदान करना।
- सम्पूर्ण जीव के प्रति वात्सल्य और धार्मिक स्वतंत्रता को समझना।
- गुण ग्रहण का भाव रुपी भावना को साकार करना।
- अप्रकाशित जैन साहित्य का सम्पादन।
- शोध के नए आयाम उजागर करना।
- जैनागम की पांडुलिपियां एवं शिलालेख के सम्पादन में पारंगत होना।
- दार्शनिक साहित्य की विशेषताएं |
- जैन दर्शन के अध्ययन की विशेषताओं में रूचि जाग्रत करना |
- भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना |

परिणाम (Results):-

- छात्रों में दार्शनिक महत्त्व का प्रतिपादन |
- विचार के क्षेत्र में नूतन तकनीकी एवं प्रयोगों का विकास होना |
- जैन परम्परा के दार्शनिक ग्रंथों में निहित विचारों का गूढ़ ज्ञान कराना |
- विद्यार्थियों में आधुनिक प्राकृत कवि दार्शनिक आचार्यों, मनीषियों के लोकपरक अवदानों की समझ विकसित होगी |
- वर्त्तमान में प्राकृत रचनाधार्मिता की महत्ता की जानकारी होगी |
- विद्यार्थियों को जैन श्रावकाचार एवं मुनि के आचार व संवंधित परिज्ञान |
- जैन परम्परा के प्रमुख सिद्धांतों की जानकारी हो सकेगी |
- प्रमुख तीर्थंकरों के जीवनचरित्र का ज्ञान होगा |
- विद्यार्थियों में जैन कला की समझ विकसित होगी |

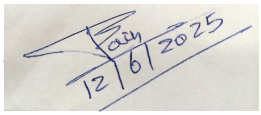

- जैन धर्म की मूर्ति एवं स्थापत्य कला की महत्ता की जानकारी होगी |
- भारत में जैन कला के प्रमुख केन्द्रों का ज्ञान होगा |
- विद्यार्थी को प्राच्यविद्याओं के क्षेत्र में अपनी सृजनशीलता के माध्यम से अवदान करने वाले जैन दार्शनिक एवं रचनाकारों के बारे में समझ विकसित होगी |
- शोध पत्र के माध्यम से शोध एवं लेखनकला अथवा तकनीकी ज्ञान में अपनी प्रतिभा को बढ़ाने में सहायता प्राप्त करेंगे और भविष्य में आधुनिक शोध प्रविधि का परिशीलन |

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility): किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (बी0ए0/बी0एस0सी0/बी0कॉम0) या शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण

अवधि (Duration) : 2 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium) : हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी

श्रेयांक (Credit) : 40 क्रेडिट

फीस (Fees) : Rs.6500/- (1 वर्ष)

मोड (Mode) : ऑफलाइन/ ऑनलाइन

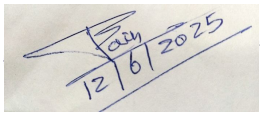

JAIN DARSHAN M.A
FIRST YEAR-FIRST SEMESTER
PROGRAMME CODE- JDMA

Semester/ Year	PAPER Code	Type	Course Title	Credits	CIA	ESE	Max. Marks
1st Year/ 1st Semester	**A510701T**	CORE	चैतन्य चंद्रोदय (शतकम महाकाव्य)	4	25	75	100
	A510702T	CORE	जैन धर्म दर्शन	4	25	75	100
	A510703T	CORE	इष्टोपदेश	4	25	75	100
	A510704T	CORE	जैन संस्कृति का उद्भव एवं विकास	4	25	75	100
	A510705T	CORE	न्याय दीपिका	4	25	75	100

FIRST YEAR-SECOND SEMESTER

Semester/ Year	Course Code	Type	Course Title	Credits	CIA	ESE	Max. Marks
1st Year/ 2nd Semester	**A510801T**	CORE	द्रव्य मीमांसा	4	25	75	100
	A510802T	CORE	जैन न्याय दर्शन (पूर्वार्ध)	4	25	75	100
	A510803T	CORE	जैन न्याय दर्शन (उत्तरार्ध)	4	25	75	100
	A510804T	CORE	ध्यान एवं योग	4	25	75	100
	A510805T	CORE	जैन आचार्य मीमांसा	4	25	75	100

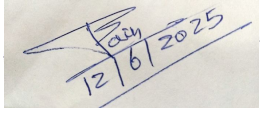

SECOND YEAR -THIRD SEMESTER

Semester / Year	Course Code	Type	Course Title	Credits	CIA	ESE	Max. Marks
2nd Year/ 3rd Semesterr	**A510901T**	CORE	जैन श्रमणाचार	4	25	75	100
	A510902T	CORE	अनुप्रेक्षा दर्शन	4	25	75	100
	A510903T	CORE	जगत मीमांसा	4	25	75	100
	A510904T	CORE	ज्ञान मीमांसा	4	25	75	100
	A510905R	PROJECT	लघु शोध प्रबंध	4	25	75	100

SECOND YEAR-FOURTH SEMESTER

Semester / Year	Course Code	Type	Course Title	Credits	CIA	ESE	Max. Marks
2nd Year / 4th Semester	**A511001T**	CORE	अध्यात्म दर्शन	4	25	75	100
	A511002T	CORE	अर्हं अष्टांगयोग शतक	4	25	75	100
	A511003T	CORE	मोक्षमार्ग मीमांसा	4	25	75	100
	A511004T	CORE	अहिंसा दर्शन	4	25	75	100
	A511005R	PROJECT	लघु शोध प्रबंध	4	25	75	100

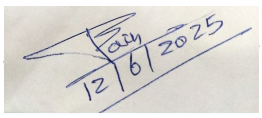

प्रथम वर्ष –प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (A510701T)

चैतन्य चंद्रोदय (शतकम महाकाव्य)

इकाई 1.

1. आचार्य विद्यासागर महाराज एवं ग्रन्थ परिचय
2. परिणामों की व्यवस्था गुणस्थान
3. निमित्त उपादान व्यवस्था
4. दर्शनोपयोग, ज्ञानोपयोग
5. ईश्वर का अकर्तापन

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. चैतन्य चंद्रोदय – रचयिता- आचार्य विद्यासागर महाराज, प्रकाशक-जैन विद्यापीठ, सागर (म०प्र०)

द्वितीय प्रश्न पत्र (A510702T)

जैन धर्म दर्शन

इकाई 1.

1. आचार्य पूज्यपाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व (सर्वार्थसिद्धि-प्रथम अध्याय)
2. सम्यक दर्शन स्वरूप मीमांसा
3. ज्ञान की अवधारणा एवं भेद
4. केवलज्ञान मीमांसा
5. नय की अवधारणा

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. सर्वार्थसिद्धि- सम्पादन-सिद्धांताचार्य पंडित फूलचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक - भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

तृतीय प्रश्न पत्र (A510703T)

इष्टोपदेश

इकाई 1.

1. आचार्य देवनंदी (पूज्यपाद) का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. वृतादिकों की कथंचित सार्थकता
3. राग-द्वेष का प्रतिफल
4. ध्यान ध्याता और ध्येय

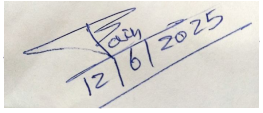

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. इष्टोपदेश : आचार्य पूज्यपाद स्वामी , प्रकाशन- जैन विद्यापीठ, सागर (मध्यप्रदेश)
2. इष्टोपदेश : आचार्य पूज्यपाद स्वामी , प्रकाशन- श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल श्रीमद राजचंद्र आश्रम, अगास (गुजरात)
3. इष्टोपदेश : आचार्य पूज्यपाद स्वामी, प्रकाशन- श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र (A510704T)

जैन संस्कृति का उद्भव एवं विकास

इकाई 1.

1. तीर्थंकर ऋषभदेव एवं सामाजिक व्यवस्था का उद्भव
   (Tirthankara Rishabhdev and the emergence of social system)
2. चौबीस तीर्थंकरों का सामान्य परिचय
   (General introduction of twenty-four Tirthankara)
3. भगवान महावीर की गणधर परम्परा
   (Ganadhar tradition of Lord Mahavir)
4. जैनकला (मूर्तिकला,चित्रकला,स्तूपकला, मंदिर)
   (Jain art sculpture, painting, stupa art, temple)
5. जैन साहित्य का सामान्य परिचय
   (General introduction of Jain literature)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. जैन साहित्य का वृहद इतिहास, प्रकाशन- पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी|
2. जैन साहित्य का इतिहास- पं. कैलासचंद्र शास्त्री, प्रकाशन- गणेश प्रसाद वर्णी शोध संस्थान वाराणसी |
3. जैन दर्शन और संस्कृति का इतिहास - डॉ. भागचंद्र भास्कर, प्रकाशन- नागपुर विश्वविद्यालय
4. जैन साहित्य ज्ञान-विज्ञान का विश्व कोश, लेखक- प्रो. डॉ. राजाराम जैन, प्रकाशक- प्राच्य श्रवण भारतीय, प्रेमपुरी मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)

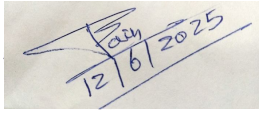

पंचम प्रश्न पत्र (A510705T)

न्याय दीपिका

इकाई 1.

1. आचार्य अभिनव धर्मभूषण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. प्रमाण का स्वरूप
3. प्रमाण के भेद
4. प्रत्यक्ष प्रमाण - परोक्ष प्रमाण
5. जैन दर्शन में भाव-अभाववाद

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची-

1. न्याय दीपिका – आचार्य श्रीमद अभिनव धर्मभूषण यति, अनुवाद एवं सम्पादक – डॉ. दरबारीलाल कोठिया, न्यायाचार्य , प्रकाशन – वीरसेवा मन्दिर दरियागंज, दिल्ली |

प्रथम वर्ष –द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (A510801T)

द्रव्य मीमांसा

इकाई 1.

1. आचार्य पूज्यपाद स्वामी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व (सर्वार्थसिद्धि-पंचम अध्याय)
2. पुद्गल द्रव्य का स्वरूप एवं भेद
3. काल द्रव्य का स्वरूप एवं भेद
4. वस्तु की त्रीयात्मकता
5. द्रव्य-गुण पर्याय

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1.सर्वार्थसिद्धि- सम्पादन-सिद्धांताचार्य पंडित फूलचन्द्र शास्त्री, प्रकाशन- भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

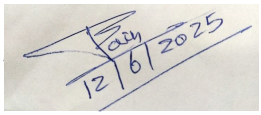

द्वितीय प्रश्न पत्र (A510802T)

जैन न्याय दर्शन (पूर्वार्ध)

इकाई 1.

1. आप्त मीमांसा प्रथम परिच्छेद (1-23 कारिका)
2. आप्त का स्वरूप
3. कार्यकारण सिद्धांत
4. सर्वज्ञ की सिद्धि
5. मोक्ष सिद्धांत
6. द्रव्य गुण पर्याय मीमांसा

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. आप्त-मीमांसा, संपादक और अनुवादक प्रो. उदयचन्द्र जैन, प्रकाशन- गणेश प्रसाद वर्णी शोध संस्थान, वाराणसी
2. आप्त-मीमांसा, अनुवाद एवं सम्पादक- पं० जुगलकिशोर मुख्तार, प्रकाशन वीरसेवा मन्दिर, दरियागंज, दिल्ली

तृतीय प्रश्न पत्र (A510803T)

जैन न्याय दर्शन (उत्तरार्ध)

इकाई 1.

1. आप्त मीमांसा द्वितीय परिच्छेद (24-60 कारिका)

1. अभाववाद
2. नयवाद
3. सप्तभंगी
4. वस्तु की त्रियात्मकता
5. स्याद्वाद संस्थिति

संदर्भ ग्रंथ सूची –

3. आप्त-मीमांसा, संपादक और अनुवादक प्रो. उदयचन्द्र जैन, प्रकाशन-, गणेश प्रसाद वर्णी शोध संस्थान, वाराणसी
4. आप्त-मीमांसा, अनुवाद एवं सम्पादक- पं० जुगलकिशोर मुख्तार, प्रकाशन वीरसेवा मन्दिर, दरियागंज, दिल्ली

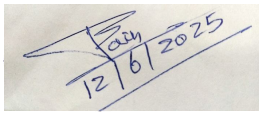

चतुर्थ प्रश्न पत्र (A510804T)

ध्यान एवं योग

इकाई 1.

1. ज्ञानार्णव में ध्यान स्वरूप एवं भेद
2. ध्यान एवं ध्यान की विधियां
3. वर्तमान में ध्यान के विविध रूप
4. ध्यान में सम-सामयिकता
5. आधुनिक ध्यानो में भावाना योग, अर्हम योग एवं प्रेक्षाध्यान

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. ज्ञानार्णव, रचयिता- आचार्य शुभचंद्र महाराज, प्रकाशन- श्रीपरम श्रुत प्रभावक मण्डलश्रीमद राजचंद्र आश्रम, आगास (गुजरात)
2. प्राकृत समय सम्पादक – डॉ. ज्योतिबाबू जैन उदयपुर, प्रकाशक- भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली
3. अर्ह ध्यान योग - मुनि प्रणम्यसागर, ओम् अर्हम् वैल्फेयर फाउण्डेशन, मंदसौर (म.प्र.)
4. प्रेक्षाध्यान -व्यक्तित्व विकास - मुनि धर्मेश जैन, जैन विश्वभारती, लाडनूं।
5. भावना योग -मुनि प्रमाणसागर जी महाराज, प्रकाशक- निर्ग्रन्थ फाउण्डेशन, भोपाल (म०प्र०)

पंचम प्रश्न पत्र (A510805T)

जैनाचार्य (श्रावकाचार्य) मीमांसा

इकाई 1.

1. व्रत एवं भेद (सर्वार्थसिद्धि-सप्तम अध्याय)
2. अणुव्रत विमर्श
3. गुणव्रत एवं शिक्षाव्रत
4. संलेखना की अवधारणा

संदर्भ ग्रंथ सूची –

सर्वार्थसिद्धि- सम्पादन-सिद्धांताचार्य पंडित फूलचन्द्र शास्त्री, प्रकाशन- भारतीय ज्ञान पीठ, दिल्ली

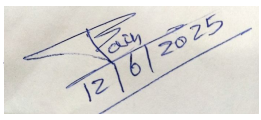

द्वितीय वर्ष –तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र (A510901T)
जैन श्रमणाचार

इकाई 1.

1. संवर का स्वरूप (सर्वार्थसूत्र-नवम एवं दशम अध्याय)
2. धर्म एवं उसके भेद
3. तप का स्वरूप
4. मोक्ष की अवधारणा

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. सर्वार्थसिद्धि- सम्पादन-सिद्धांताचार्य पंडित फूलचन्द्र शास्त्री, प्रकाशन- भारतीय ज्ञान पीठ, दिल्ली

द्वितीय प्रश्न पत्र (A510902T)
अनुप्रेक्षा दर्शन

इकाई 1.

1. अनुप्रेक्षा स्वरूप एवं भेद
2. अनित्य अनुपेक्षा
3. अशरण अनुप्रेक्षा
4. संसार अनुप्रेक्षा
5. लोक अनुप्रेक्षा

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. कार्तिकेयानुप्रेक्षा : स्वामी कार्तिकेय, प्रकाशन- श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल श्रीमद राजचंद्र आश्रम, आगास (गुजरात)

तृतीय प्रश्न पत्र (A510903T)
जगत मीमांसा

इकाई 1.

1. आचार्य कुन्दकुन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. द्रव्य का स्वरूप
3. जीव द्रव्य का लक्षण एवं भेद
4. पुद्गल द्रव्य एवं भेद
5. पंचास्तिकाय प्रथमाधिकार

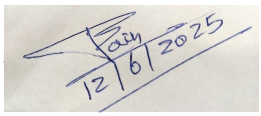

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. पंचास्तिकाय:- आचार्य कुन्दकुन्द, श्रीमद राजचंद्र आश्रम, स्टेशन-आगास, पोस्ट-ओरिया, गुजरात

चतुर्थ प्रश्न पत्र (A510904T)

जैन ज्ञान मीमांसा

इकाई 1.

1. गति की सार्थकता
2. मनुष्य गति की दुर्लभता
3. धर्म का स्वरूप
4. धर्म के देश भेद
5. व्रत का स्वरूप
6. ध्यान एवं भेद

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. कार्तिकेयानुप्रेक्षा : स्वामी कार्तिकेय, प्रकाशन- श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल श्रीमद राजचंद्र आश्रम, आगास (गुजरात)

पंचम प्रश्न पत्र (A510905R)

लघु शोध प्रबंध (Synopsis)

इकाई 1.

1. जैन दर्शन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
2. जैन दर्शन का मूल आधार
3. प्रमुख जैन आचार्य एवं उनके योगदान
4. जैन दर्शन की तुलनात्मक विवेचना
5. जैन दर्शन की समकालीन प्रासंगिकता

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. तत्त्वार्थ सूत्र, समवायांग सूत्र आदि
2. आधुनिक शोधकार्य
3. पत्र-पत्रिकाएँ और ऑनलाइन स्त्रोत

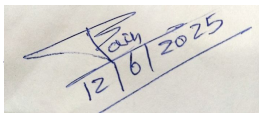

द्वितीय वर्ष –चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र (A511001T)

जैन अध्यात्म

इकाई 1.

1. आत्मा का स्वरूप
2. आत्मा के भेद (अंतरात्मा, बहिरात्मा, परमात्मा)
3. निश्चय नय एवं व्यवहार नय
4. पुण्य और पाप
5. निमित्त उपादान

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. परमात्मप्रकाश, रचयिता– श्रीमद योगीन्द्रदेव, प्रकाशक- श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, आगास (गुजरात)
2. समयसार – रचयिता- आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी, प्रकाशक- श्री निजानंद जैन ग्रन्थ माला, सहारनपुर (उ.प्र.)
3. लघु तत्त्व स्फोट, रचयिता-आचार्य अमृतचन्द्र स्वामी,प्रकाशक- गणेशवर्णी संस्थान , वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र (A511002T)

अर्हं अष्टांगयोग शतक

इकाई 1.

1. आचार्य एवं ग्रन्थ परिचय
   (Introduction to Acharya and Grantha)
2. अर्हं अष्टांग योग का ध्याता
   (The meditator of Arhan Ashtang Yoga)
3. ध्यान का कार्य एवं बीजाक्षर पद
   (The work of meditation and the Beejakshar Pada)
4. ध्यान का फल एवं द्रव्य विवेचन
   (The result of meditation and substance analysis)
5. ध्यान के योग क्षेत्र एवं रीति
   (Yoga areas and methods of meditation)

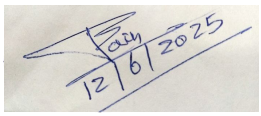

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1. अर्हं अष्टांगयोग शतकम, रचनाकार- अर्हं योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्यसागरजी महाराज, प्रकाशन- आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय समिति, उज्जैन।
2. अर्हं ध्यान योग, रचनाकार- अर्हं योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्यसागरजी महाराज, प्रकाशन- आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय समिति, उज्जैन।

तृतीय प्रश्न पत्र (A511003T)

मोक्षमार्ग मीमांसा

इकाई 1.

1. तत्त्व निरूपण
2. आश्रव का स्वरूप एवं भेद
3. जैन योग्य का स्वरूप
4. ध्यान स्वरूप एवं मीमांसा
5. मोक्ष की अवधारणा
6. पंचास्तिकाय द्वितीयाधिकार

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. पंचास्तिकाय:- आचार्य कुन्दकुन्द, श्रीमद राजचंद्र आश्रम, स्टेशन-अगास, पोस्ट-ओरिया, गुजरात

चतुर्थ प्रश्न पत्र (A511004T)

अहिंसा दर्शन

इकाई 1.

1. आचार्य अमृतचन्द्र स्वामी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. व्यवहार एवं निश्चय का स्वरूप
3. सम्यक दर्शन स्वरूप एवं भेद
4. सम्यकज्ञान का स्वरूप
5. अहिंसा का स्वरूप एवं महत्त्व
6. पुरुषार्थ सिद्धयुपाय गाथा (1-104 तक)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. पुरुषार्थ सिद्धयुपाय: आचार्य अमृतचन्द्र स्वामी , टीका एवं दोहानुवाद मुनि श्री प्रणम्यसागर जी, प्रकाशन-आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय समिति, उज्जैन (म.प्र.)

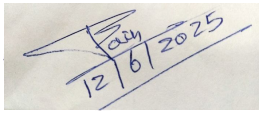

पंचम प्रश्न पत्र (A511005R)

शोध प्रबंध

इकाई 1.

1. अहिंसा का जैन-दृष्टि कोण एवं उसका आधुनिक महत्त्व
2. जैन कर्म सिद्धांत और उसका मनोविज्ञानिक पक्ष
3. अनेकान्त और स्याद्वाद का तात्त्विक विशलेषण
4. आचार्य कुन्दकुन्द के दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन
5. जैन धर्म और पर्यावरण चेतना

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. आगमिक ग्रंथों का अध्ययन (तत्त्वार्थ सूत्र, समयसार, भगवतीसूत्र आदि)
2. आचारांग सूत्र, द्रव्य संग्रह
3. आधुनिक समाज में सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर केस स्टडी
4. Jain Philosophy and Practice- Nathmal Tatia